

महिला सशक्तिकरण में सिटी मॉन्टेसरी स्कूल लखनऊ के सामुदायिक रेडियो की भूमिका का विश्लेषण

डॉ साधना श्रीवास्तव*

वर्तमान में महिलाएं हर क्षेत्र में परचम लहरा रही हैं। चाहे वह ऑफिस, चिकित्सा, बैंकिंग, मीडिया आदि सभी क्षेत्र महिलाओं के प्रभुत्व से अछूते नहीं हैं। जिससे उनकी भूमिका में बढ़ोत्तरी हो रही है।

महिलाओं के विकास के बिना किसी भी राष्ट्र का विकास संभव नहीं है। इसी दिशा में भारत में महिलाओं की स्थिति आर्थिक और सामाजिक दृष्टि से सुधार हेतु सरकार की विभिन्न योजनाओं को चला रही है। महिलाएं परिवार, समाज एवं सुदृढ़ राष्ट्र की रचना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। महिला मानव परिवार, सभ्यता एवं संस्कृति का आधार स्तम्भ है।

इसी दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए भारतीय संविधान में महिलाओं के उत्थान के लिए शिक्षा एवं रोजगार से सम्बन्धित समान अवसर, समाज आजीविका, समान कार्य के समान भुगतान के अधिकार दिए गए हैं। इस प्रकार महिलाओं को विकास की मुख्य धारा से जोड़े बिना किसी समाज, राज्य एवं देश के आर्थिक सामाजिक और राजनैतिक विकास की कल्पना नहीं की जा सकती है। महिला सशक्तिकरण भारत में महिलाओं की स्थिति आर्थिक और सामाजिक दृष्टि से काफी सुधार आया है। स्त्री शिक्षा हेतु सरकार की विभिन्न योजनाओं ने स्त्री साक्षरता में वृद्धि की है।

इसके अतिरिक्त अनुसूचित जाति-जनजाति हेतु आरक्षण की व्यवस्था, चिकित्सा, बैंकिंग, मीडिया आदि सभी क्षेत्र महिलाओं के प्रभुत्व

से अछूते नहीं है। ऐसे में मीडिया का भूमिका अहम हो जाती है यह शोधपत्र यही जानने का प्रयास है कि सी0एम0एस0 सामुदायिक रेडियो महिलाओं के विकास में क्या योगदान दे रहा है? महिलाओं की समस्याओं के समाधान के लिए क्या और कैसे कार्यक्रम बना रहा है ?

भारत में सामुदायिक रेडियो का आगमन

1995 में सुप्रीम कोर्ट के न्यायधीश के निर्णय कि वायु तरंगे सार्वजनिक हैं के बाद 18 दिसम्बर 2002 को भारत सरकार द्वारा भारत में सामुदायिक रेडियो स्टेशनों को स्थापित करने हेतु नीतिगत दिशा निर्देश को पारित किया था। यह दिशा-निर्देश सामुदायिक रेडियो स्टेशन खोलने के इच्छुक व्यक्तियों के एक स्पष्ट रूप से मार्गदर्शिका है। वर्ष 2002 में भारत सरकार ने देश में सिर्फ शैक्षणिक संस्थाओं जैसे कि आई0टी0आई, आई.आई.एम., सुस्थापित शैक्षणिक संस्थाओं, स्कूल विश्वविद्यालय आदि को सामुदायिक रेडियो स्टेशन चलाने के लाइसेंस देना प्रारम्भ किया। सामुदायिक रेडियो अपने कार्यक्रमों के प्रसारण के माध्यम से समुदाय के सदस्यों को शामिल कर उनकी समस्या सुनता, चर्चा करता और समाधान प्रस्तुत करता है। यह कोई वाणिज्यिक या पैसों का लाभ करने के लिए नहीं बल्कि सामुदायिक हितों को प्रेरित करने वाली प्रसारण सेवा है।

*असिस्टेंट प्रोफेसर, जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग, उ0 प्र0 राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद, उ0 प्र0।

E-mail Id: srivastava.sadhana1@gmail.com

सारी बातों से यह स्पष्ट हो जाता है कि सामुदायिक रेडियो का उद्देश्य समुदाय के सदस्यों को शामिल कर समुदाय की सेवा करना है। सामुदायिक रेडियो का फोकस शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, ग्रामीण कृषि और सामुदायिक विकास से संबंधित मुद्दों पर ध्यान में रखकर सांस्कृतिक और स्थानीय मुद्दों और विषयों पर प्रस्तुति और प्रतिबिंबित करने पर रहता है। यह स्थानीय भाषा में ही स्थानीय लोगों की समस्याओं का समाधान प्रस्तुत करता है।

सी0एम0एस0 सामुदायिक रेडियो के कार्यक्रम और कवरेज क्षेत्र

सिटी मॉन्टेसरी स्कूल लखनऊ का एक निजी स्कूल है। इसकी स्थापना 1959 को डॉ. भारती गाँधी और डॉ. जगदीश गाँधी ने की थी। यह प्रारम्भिक दौर में प्रेरणादायक और शैक्षणिक कार्यक्रमों का प्रसारण करता था। सी0 एम0 एस0 सामुदायिक रेडियो गैर लाभकारी रेडियो है। यह शहरी और विशेष कर गरीब ग्रामीण समुदाय के प्रति प्रतिबद्ध है। यह किसी प्रकार के विज्ञापन नहीं लेता है। यह गोमती नगर 90.4 मेगाहर्ट्स और CMS एल.डी.ए. कानपुर रोड 90.4 मेगाहर्ट्स की फ्रिक्वेन्सी पर चला रहा है। सिटी मॉन्टेसरी स्कूल के सामुदायिक रेडियो चैनल गोमती नगर और सी0एम0एस0 डिग्री कॉलेज के सामुदायिक रेडियो जुलाई 2005 में केन्द्रीय मानव संसाधन अर्जुन सिंह ने उद्घाटन किया। जयपाल रेड्डी सूचना एवं प्रसारण मंत्री थे। डा0 जगदीश गाँधी चेयरमैन और मिसेज डा0 भारती गाँधी सी0एम0एस0 की प्रसिडेंट हैं। यह एक ऐसा प्रयास था जिसने बिना पढ़ी-लिखी और गरीब बच्चों और श्रोताओं को लाभ पहुँचाने की पहल की गयी थी।

वर्ष 2005 में इसको शैक्षणिक रेडियो के लिए लाइसेंस मिला इस दौरान सेलेबस, शैक्षणिक गतिविधियाँ व विषय से सम्बन्धित

कार्यक्रम प्रसारित किये जाते रहे जिसमें शिक्षण व छात्र दोनों भाग लेते।

2008 में दिल्ली में एक मीटिंग बुलाकर सरकार में निर्देश किये कि CMS को सिर्फ शैक्षणिक नहीं विकास से जुड़े कार्यक्रम बनाये चाहिए। इसके बाद से ही समुदाय की लड़कियों और महिलाओं की सक्रिय भागीदारी और महिला सशक्तिकरण का माध्यम बनकर सिटी मॉन्टेसरी स्कूल का सामुदायिक रेडियो ने सफलता के अनेक उदाहरण प्रस्तुत किये हैं।

ग्रामीण विकास व लोकहित के लिए CMS ने 6 गाँव के विकास के प्रयास किया। यह गोमती नगर ब्रांच के गाँव मल्हौर, मकदूमपुर, खड़गापुर, और एल.डी.ए. ब्रांच के गाँव झिलझिलापुरवा, गिन्दन खेड़ा, ललईखेड़ा व उसी के पास स्थित सपेरा बस्ती है। इसके साथ ही निजामपुर, मल्हौर, लोनापुर, पखदमपुर नगर, वीराखेड़ा, ललई खेड़ा अशरफ नगर, नवाबपुर, डिगडिगा, ग्वारीपुरवा, खडगपुर, नूरपुर, अर्जुनगंज, गोमती नगर, तेलीबाग, आलमबाग, एल0डी0ए0, रजनीखंड, उत्तरेद्विय, बंगला बाजार, मकड़मपुर, अरशफ, नगर, खडगपुर, लोनापुर और अशियाना आदि कवरेज जोन में 10-12 किलोमीटर रेडियस के 20 लाख जनता आती है।

जिसमें स्थानीय लोगों की सहभागिता रहती है। हेड आफिस से सामुदायिक रेडियो कार्यक्रमों के प्रमुख वर्गीस कुरियन और आर. के. सिंह हैं। हर्ष बावा, सोमा घोष, वनिता शर्मा, रविन्द्र त्रिपाठी, मदन के साथ स्थानीय समुदाय के अनेक एंकर और सदस्यों की सहभागिता से कार्यक्रमों का निर्माण किया जाता है। 90.4 मेगाहर्ट्ज पर इसके कार्यक्रमों की शुरुआत प्रतिदिन संकेत ध्वनि से रेडियो प्रसारण की शुरुआत होता है। कुछ कार्यक्रमों का प्रसारण

प्रतिदिन होता है। जिनमें अर्चना भक्ति गीतों का कार्यक्रम है, जिसमें सर्वधर्म समभाव के आधार पर पाँच भक्ति गीत बजते हैं। बात पते की में उस दिन से जुड़ी रोचक और खास जानकारी देते हैं। विशेष तौर पर सोमा घोष और वनिता शर्मा महिला सशक्तिकरण को समर्पित अनेक कार्यक्रमों का निर्माण सामुदाय की महिलाओं के साथ मिल कर उन्हीं के लिए करती हैं। इसके साथ ही अनेक ऐसे नाम हैं जो सामुदाय के लिए प्रेरणास्रोत बने हैं।

नन्हों की दुनिया बच्चों का कार्यक्रम जिसमें कविता, कहानी और एक रोचक सरप्राइज प्रस्तुती के अंतर्गत ज्ञानवर्द्धक और मजेदार तरीके से बच्चों में मूल्यों का सृजन किया जाता है। कम्यूनिटी गतिविधियां सामुदाय की रचनात्मक और सांस्कृतिक गतिविधियों पर आधारित कार्यक्रम है। गीतों की झंकार सामुदाय की पसंद के गीत सामुदाय के कलाकारों द्वारा सुनाये जाते हैं। जनहित में जारी—यह लाईन फोन इन कार्यक्रम विशेषज्ञों के माध्यम से सरकारी एवं गैर सरकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी अपने श्रोताओं तक पहुंचाता है। इस कार्यक्रम में कम्यूनिटी श्रोता फोन के माध्यम से विस्तृत जानकारी प्राप्त कर लाभ उठाते हैं।

नारी शक्ति महिला सशक्तिकरण से सम्बन्धित कार्यक्रम है तो ज्ञान अनुभव की बातें प्रेरणादायक है इसमें सी0एम0एस के संस्थापक और प्रबंधक डा0 जगदीश गांधी और निदेशिका डा0 भारती गांधी प्रेरक और अनुभवप्रद सीख के साथ अनुभव ज्ञान की बातें बताते हैं। प्रेरणादायक गीत में प्रेरणादायक गीत प्रेरणा देते गीत सुनाये जाते हैं।

अंग्रेजी की पाठशाला में इसमें अंग्रेजी भाषा की जानकारी रोचक तरह से दी जाती है।

एक मुलाकात में समुदाय के विशेष लोगों से मुलाकात करवायी जाती है।

हम होंगे कामयाब लघु में कुटीर उद्योगों की जानकारी दी जाती है।

योग और हम लाइव फोन इन कार्यक्रम है जिसमें योग विशेषज्ञ के माध्यम से लोगों को योग के प्रति जागरूकता एवं उससे होने वाले शारीरिक एवं मानसिक लाभों से अवगत कराता है। इसमें श्रोता फोन के माध्यम से किसी भी विकार को योग से कैसे दूर किया जाता है इसकी जानकारी प्राप्त करता है।

रंग मंच कार्यक्रम में कम्यूनिटी सदस्यों के माध्यम से नाटकों में, विभिन्न किरदारों के माध्यम से, जीवन सम्बन्धी मूल्यों को समझाया जाता है।

सरगम शास्त्रीय संगीत पर आधारित कार्यक्रम है। मन की बात आपके साथ परिचर्चा का कार्यक्रम है। एक अनोखी उड़ान में सामुदाय के विशेष लोगों से मिलवाया जाता है। ज्ञान दर्पण जानकारी आधारित कार्यक्रम है।

अनमोल रतन कार्यक्रम में शहर की महिलाओं की उत्थान एवं विकास की कहानी उनसे की गई बातचीत के माध्यम से श्रोताओं तक पहुंचाई जाती है। जो क्षेत्र के लिए प्रेरणास्रोत का काम करता है।

माटी के गीत लोकगीतों का लाइव फोन इन कार्यक्रम है जिसमें सामुदाय के लोगों को लोकगीतों को सुनने और सुनाने का अवसर मिलता है। हमारी रसोई कार्यक्रम में कम्यूनिटी सदस्यों द्वारा व्यंजन बनाने के तरीके श्रोताओं तक पहुंचाये जाते हैं।

युवा मंच कार्यक्रम कम्यूनिटी के युवाओं के माध्यम से सम-सामयिक विषयों पर परिचर्चाएं करवाता है और स्थानीय युवाओं

में प्रेरणा एवं जागरूकता लाने का प्रयास किया जाता है। ढलती शाम को सलाम कार्यक्रम समाज के वरिष्ठजनों को समर्पित है। जिसमें बुजुर्गों द्वारा जीवन मूल्यों एवं अनुभवों से जुड़ी हुई उनकी अपनीही कहानी उन्हीं की जुबानी श्रोताओं तक पहुंचाई जाती है। हम और हमारे कानून लाइव फोन इन कार्यक्रम है जिसमें श्रोताओं को कानूनी सलाह दी जाती है।

सेहत की बात डॉक्टर के साथ जो कि लाइव फोन इन कार्यक्रम है। इसमें डाक्टरों के माध्यम से लोगों को स्वास्थ्य सम्बन्धी परामर्श दिया जाता है।

अम्मा की बातें कार्यक्रम में वरिष्ठ ग्रामीण महिलाओं द्वारा अनुभव और जीवन सम्बन्धी व्यावहारिक बातों का आदान-प्रदान किया जाता था।

साथी हाथ बढ़ाना नामक कार्यक्रम के माध्यम से नित्य नये-नये विषयों से, श्रोताओं को सामाजिक कुरूपतियों, अंधविश्वास एवं रोगों सम्बन्धी समस्याओं को दूर करने का प्रयास था। सामुदायिक रेडियो का फोकस सामुदायिक रेडियो सेवा पर कार्यक्रमों, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, ग्रामीण कृषि और समुदायिक विकास से संबंधित मुद्दों पर ध्यान रखकर सांस्कृतिक और स्थानीय मुद्दों और स्वरूप, विषय, प्रस्तुति और प्रतिबिंबित करने पर रहता है। यह स्थानीय भाषा में ही स्थानीय लोगों की समस्याओं का समाधान प्रस्तुत करता है। कृषि गतिविधियाँ व विषय से सम्बन्धित कार्यक्रम प्रसारित किये जाते रहे जिससे स्थानीय किसान व दोनों भाग लेकर जुड़े और कार्यक्रम बनाये चाहिए। इसमें कम्युनिटी सदस्य भी सहभागिता करते थे। जमाना बदल गया कार्यक्रम मैगजीन विधा पर आधारित बेटियों और महिलाओं की समस्याओं का समाधान खोजता कार्यक्रम है।

महिला सशक्तिकरण व महिलाओं के विकास के विकास के साथ-साथ स्वास्थ्य, कृषि, खेती, रहन-सहन, संगीत पर आधारित होते हैं।

महिलाओं से जुड़े कार्यक्रमों के बारे में उन्होंने बताया कि सामुदायिक शोध के दौरान हमने पाया कि महिलाएँ घर में रहती हैं। वह पारिवारिक निर्णयों में कुछ बोल नहीं पाती अतः सामुदायिक रेडियो को महिलाओं के विकास, सशक्तिकरण के बारे में कुछ कार्यक्रम बनाने और प्रसारित करने चाहिए। यह कार्यक्रम उनसे इंटरव्यू परिवार व्यवहार और यह जिस समस्या से जूझ रही है उन पर चर्चा करनी चाहिए। समाधान देना चाहिए और वकीलों से कानूनी सलाह पर आधारित कार्यक्रम भी बनाते हैं इसी प्रयासों महिलाओं में स्वास्थ्य के साथ-साथ अन्य बातों की जागरूकता आयी है।

इस प्रकार यह कह सकते हैं कि महिलाओं के द्वारा कार्यक्रम निर्माण और संचालन में समुदाय की महिलाओं के साथ मिल कर उन्हीं के लिए प्रसारण भी करती है।

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के सी0 एम0 एस0 सामुदायिक रेडियो स्टेशन से अनेक ऐसे नाम हैं जो समुदाय के लिए प्रेरणास्त्रोत बने हैं।

छेनावती

20 वर्षीय छेनावती स्टुडियों में मार्च 2009 को आयी थी। उसने एक भजन सुना था। उसने पहले एक भजन सुनाया फिर धीरे-धीरे अन्य रेडियो कार्यक्रमों में भागीदारी की। एंकरिंग और कम्प्यूटर वर्क सीख। समय के साथ वह लाइव फोन इन कार्यक्रम और रिकॉर्डेड सभी प्रकार के कार्यक्रमों में भागीदारी लेने लगी। छेनावती एक सक्रिय श्रोता के साथ वलेन्टियर भी है।

वह गाँव महिलाओं को लोकगीत गाने के लिए प्रेरित करती है। छेनावती के ब्यक्तित्व विकास में सी० एम० एस० सामुदायिक रेडियो का बहुत योगदान है। वह मानती है कि पहले उसे किसी अजनबी से बात करने में संकोच लगता था। एक झिझक होती, लेकिन जब से उसे अवसर मिला एक मंच मिला उसका ब्यक्तित्व बदल गया।

शिवानी अग्रवाल

20 वर्षीय पोलियों की बीमारी से जूझती शिवानी फोन इन कार्यक्रमों में सक्रिय भागदारी करती थी। समय के साथ उसने सामुदायिक रेडियो स्टेशन आना शुरू किया। एंकरिंग, एडिटिंग तथा कम्प्यूटर का काम सीखा।

शिवानी का कहना है कि पहले वह सबसे बात करने में भी डरती थी लेकिन जब से सामुदायिक रेडियो स्टेशन से जुड़ी उकी सारी झिझक दूर हो गयी। अब वह माइक पर बोल सकती और उनके भजन और कविता नियमित रूप में बजने से उसका आत्मविश्वास कई गुना बढ़ गया है।

नन्दनी

नन्दनी स्नातक की छात्रा है रेडियो स्टेशन में जोड़ा वर्तमान में ना सिर्फ वह कुशलता से एंकरिंग कर रही है बल्कि दो बार दिल्ली जाकर वर्कशाप में भागीदारी की है। अपी प्रतिभा के बल पर उसने मिसाल कायम की जनवरी 2014 में महिला कार्यशाला में वह ट्रेनर बनी उसने अन्य महिलाओं ट्रेनिंग दी।

पया, शालिनी, मालती, श्रुति अनेक स्थानीय समुदाय के सदस्य है जो सक्रियता से सामुदायिक रेडियो स्टेशन के इन डोर और आउटडोर सभी कार्यक्रमों में भाग लेते हैं।

राम श्री गुप्ता

महिला सशक्तकरण का सशक्त उदाहरण है। वह समुदाय की ऐसी सदस्य है जो स्वयं तो पढ़ ही रही है साथ ट्यूशन पढ़ा समुदाय के बच्चों में शिक्षा का उजाला फैला रही है। सिविल सेवा की तैयारी कर रही राम श्री 2009 से सी०एम०एस० सामुदायिक रेडियो स्टेशन से जुड़ी है। वह दिल्ली में विज्ञान में सी०एम०एस० की प्रतिनिधि के रूप में गयी थी। अपना देश और नियमित एंकरिंग के साथ अन्य मीटिंग और गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी करती है। राम श्री में जो आत्मविश्वास और कार्य के प्रति लगन हैं। समुदाय के अन्य सदस्यों के लिए प्रेरणा स्रोत है।

सरिता

21 वर्षीय सरिता रावत गाँव जिलाजिला पुरवा की निवासी है। जिसमें अपना स्नातक पूरा कर लिया है। उसके पिता को पैरालिसिस का अटैक आने के कारण उनका स्वास्थ्य इतना बिगड़ चुका है कि वह पारिवारिक दायित्वों में पूर्ति में असक्षम है। सरिता का स्वास्थ्य भी खराब रहता था। एक बार उसके सी०एम०एस० रेडियो स्टेशन के "सेहत की बात डाक्टर के साथ" में कॉल किया जो प्रत्येक रविवार आता है और अपनी व्यक्तिगत स्वास्थ्य समस्या बतायी दूसरी तरफ फोन पर डा० अमिता पाण्डेय थी। सरिता फोन पर अपनी बीमारी जो कि एनीमिया थी से जुड़े व्यक्तिगत सवालों के जवाब देने में संकोच कर रही थी डा० अमिता ने उन्हें अस्पताल आने की सलाह दी जिसमें सरिता असक्षम थी। उस वक्त सरिता के मदद के लिए सी०एम०एस० की टीम ने महिला एंकर भेजी जो कि सरिता को अस्पताल तक ले गयी। सरिता की अस्पताल की फीस और दवाईयों का खर्च पूरा सी०एम०एस०

सामुदायिक रेडियो ने वहन किया। इलाज के बाद जल्दी ही सरिता को स्वास्थ्य लाभ हुआ। इसी दौरान सरिता के दिल में छुपे सपनों का जानने का मौका सी0एम0एस0 टीम को मिला। सरिता अच्छे लोकगीत गाती है दूसरों की बातों को गहराई से समझती है उसके दिल में कुछ कर गुजरने की तमन्ना थी। ऐसे में वह अपने गाँव के लिए बहुत कुछ करना चाहती थी। बस फिर क्या था सरिता एंकर के रूप में रेडियो से जुड़ गयी। उसे सी0एम0एस0 रेडियोस्टेशन में ट्रेनिंग दी गयी। उसने हरी सब्जियाँ खाना शुरू किया साथ ही वह गाँव की अन्य लड़कियों के लिए प्रेरणा स्रोत बन गयी। वर्तमान में सरिता एक कुशल एंकर है। उसने “साथी हाथ बढ़ाना” नामक कार्यक्रम में एंकरिंग की है। साथी हाथ बढ़ाना कार्यक्रम विभिन्न ग्रामीण समस्याओं और साफ-सफाई के साथ-साथ पानी बचाओं स्वच्छता आदि में जुड़े सामाजिक और स्थानीय समुदाय के मुद्दों से जुड़ी श्रृंखला थी। इसी कार्यक्रम को थिमेटिक कैटेगरी का राष्ट्रीय पुरस्कार 18 फरवरी 2012 को नई दिल्ली के राष्ट्रीय सामुदायिक रेडियो सम्मेलन में मिला। सरिता का कहना है कि “मैं हमेशा से कुछ अलग करना चाहती थी लेकिन गाँव में इतने साधन नहीं हैं। मेरे पास हजारों सपने थे लेकिन पूरा करने का जरिया नहीं था। मैं अपने गाँव के लिए बहुत कुछ करना चाहती थी कुछ कर नहीं पाती। जबसे सी0एम0एस0 सामुदायिक रेडियो स्टेशन से जुड़ी हूँ तब से गाँव के लोगों तक अपनी बात पहुँचा पा रही और उन्हें संवेदनशील मुद्दों के प्रति जागरूक भी कर रही हूँ। ऐसी अनेक शहरी व ग्रामीण महिलाओं के विकास के लिए समय-समय पर कार्यशालाओं का भी आयोजन करवाता है और अलग से भी रेडियो के माध्यम से प्रोग्राम चलाये जाते हैं। इससे महिलाओं के लिए विभिन्न प्रकार के समस्याओं के

समाधान के लिए अनेक कार्यक्रम प्रस्तुत किये जा रहे हैं। महिलाओं के विकास के लिए शहरी व ग्रामीण महिलाओं के लिए अलग से भी सामुदायिक रेडियो के माध्यम से प्रोग्राम चलाये जाते हैं। इससे महिलाओं के लिए विभिन्न प्रकार के समस्याओं के समाधान के लिए अनेक कार्यक्रम प्रस्तुत किया जा सकता है।

निष्कर्ष एवं सुझाव

अध्ययन के उपरान्त निष्कर्ष रूप में कह सकते हैं सी0एम0एस0 सामुदायिक रेडियो की संकल्पना ने महिला सशक्तिकरण में अहम भूमिका निभायी है। जो कि अग्रलिखित है।

- महिला साक्षरता पर विशेष ध्यान देकर।
- रेडियो के कार्यक्रमों के माध्यमों से अंधविश्वास व रूढ़िगत बातों को दूर किया।
- विभिन्न आयु समूह की महिलाओं की शिक्षा और व्यवसाय शिल्प, प्रशिक्षण, स्वरोजगार, व्यवसाय कार्यक्रम प्रसारित किये।
- महिलाओं को कानूनी सलाह सम्बन्धी कार्यक्रमों का निर्माण किया।
- महिलाओं के मनोरंजन हेतु उनकी रुचि के अनुरूपक कार्यक्रम बनाकर।
- महिलाओं को बचत व लोन और वित्तीय स्कीमों की जानकारी देकर।
- पारिवारिक और ऐसी व्यक्तिगत समस्याओं के लिए ऐसे कार्यक्रमों का निर्माण किया जाये कि महिलाएँ अपनी समस्याओं का समाधान खोजा।
- सामुदायिक रेडियो में ऐसे कार्यक्रम प्रसारित किये जाये जिनके माध्यम से वह अपनी लोक कला, परंपरा व हुनर से धन कमाने के नुस्खे सीखे।

- स्वास्थ्य सम्बन्धी जानकारी के कार्यक्रम बनाये।
- महिला-कैरियर सम्बन्धी कार्यक्रमों का निर्माण किया।

भारत की अधिकांश जनसंख्या अभी तक गांवों में रह रही है। इनकी विविध भाषा तथा संस्कृति हैं। इनको राष्ट्र की मुख्य जीवनधारा से जोड़कर ही हम समग्र भारत के विकास का स्वप्न साकार कर सकते हैं। इस सपने को सामुदायिक रेडियो पूरा कर सकता है।

संदर्भ ग्रन्थ

- [1]. जुलाई-सितम्बर, 2004 विदुर, पेज नं0-38 पर संजीव भनावत और क्षिप्रा

माथुर।

- [2]. संचार श्री "शोध-पत्रिका", अक्टूबर से दिसम्बर, 07।
- [3]. इलेक्ट्रानिक मीडिया-डॉ0।
- [4]. साईमा सैयद जमिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली का शोध पत्र।
- [5]. दृश्य एवं जनसंचार माध्यम-कृष्ण कुमार रट्टू।
- [6]. सामुदायिक रेडियो हँडबुक-सोसाइटी फॉर मीडिया एण्ड सोशल डेवलपमेन्ट वाराणसी, 2008।
- [7]. कुरुक्षेत्र सितम्बर 2005।
- [8]. कुरुक्षेत्र सितम्बर 2006।
- [9]. सामुदायिक रेडियो स्टेशनों के क्षेत्रों में व्यक्तिगत सम्पर्क द्वारा।